Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पी प्रश्न

1. मंगलेश डबराल के अनुसार संगतकार के मन में किसके प्रति श्रद्धा के भाव होते हैं?

(अ) ईश्वर के प्रति
(ब) मुख्य गायक के प्रति
(स) पुरुषार्थ के प्रति
(द) भाग्य के प्रति

2. 'तारसराक में जब बैठने लगता है उसका गला' - पंक्ति में 'उसका' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?

(अ) मुख्य गायक के लिए
(ब) सुनने वालों के लिए
(स) बोलने वालों के लिए
(द) संगतकार के लिए

3. प्राचीन काल से संगतकार क्या करता आया है ?

(अ) मुख्य गायक से संगीत सीखता आया है
(ब) मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाता आया है
(स) मुख्य गायक के पीछे चलता आया है
(द) मुख्य गायक का सामान उठाता आया है

4. संगतकार कविता अनुसार सरगम को लाँघने से कवि का क्या अभिप्राय है?

(अ) संगीत की गहराइयों में उतर जाना
(ब) सभी कथन सत्य हैं
(स) मूल स्वर को भूलकर अंतरे की जटिल तानों में खोजा जाना
(द) संगीत को छोड़कर किसी अन्य ओर ध्यान देना

5. संगतकार कविता के अनुसार मुख्य गायक के गायन की क्या विशेषता होती है?

(अ) उसका गायन सभी को प्रिय लगता है
(ब) उसका स्वर आत्मविश्वास से भरा हुआ चट्टान के समान भारी होता है
(स) उसका गायन कोयल के समान मधुर होता है
(द) वह अपने गायन से सबको मधुर कर देता है

6. संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है?

(अ) इनमें से कोई नहीं
(ब) उससे आगे बढ़ने के लिए
(स) उससे सीखने के लिए
(द) उसकी गायन-शक्ति बढ़ाने के लिए

7. मुख्य गायक द्वारा अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खोने पर संगतकार स्थायी को किस प्रकार सँभालता है?

(अ) उसे ढाढ़स बँधाकर
(ब) पीछे छूटे हुए सामान की तरह
(स) उसके स्वर में स्वर मिलाकर
(द) वाद्य यंत्रों की ध्वनि ऊँची कर

8. संगतकार की आवश्यकता है —

(अ) प्रत्येक परिस्थिति में मुख्य गायक का पीछे से साथ देने के लिए
(ब) बीच-बीच में अपनी गायकी से एकरसता भंग करने के लिए
(स) मुख्य गायक की अनुपस्थिति में उसकी जगह लेने के लिए
(द) मुख्य गायक के पीछे छूटे सामान को समेटने के लिए

9. कवि मंगलेश डबराल अनुसार किसके आवाज में हिचक सुनाई देती है?

(अ) संगतकार के
(ब) इनमें से कोई नहीं
(स) मुख्य गायक के
(द) अभिनेता के

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. संगतकार के त्याग को उसकी मनुष्यता क्यों कहा है ?

(अ) क्योंकि उसके पीछे मानवीय भावना है
(ब) क्योंकि वह पीछे रहता है
(स) क्योंकि उसके पीछे उसका स्वार्थ है
(द) क्योंकि वह आगे रहता है

रिक्त स्थान :

11. ऊँचे स्वर में गाए गए सरगम को ____________ कहते हैं।

12. संगतकार अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ____________ रखता है।

सत्य / असत्य

13. श्रोतागण मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता है।

14. मुख्य गायक का स्वर परिपक्व, सधा हुआ है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. मंगलेश डबराल का जन्म कब और कहाँ हुआ?

16. संगतकार कौन होता है और क्या करता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मुख्य गायक और संगतकार की आवाज़ में क्या अंतर दिखाई पड़ती है?

18. संगतकार कविता में मुख्य गायक के संदर्भ में नौसिखिया का प्रयोग क्यों हुआ है? स्पष्ट करके लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. 'संगतकार' की आवाज को कमजोर, काँपती हुई आवाज़ क्यों कहा गया है?

20. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है।
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है। प्राचीनकाल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँधकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है।

i. मुख्य गायक का साथ देने वाला कौन हो सकता है?
ii. किसी भी क्षेत्र में मुख्य व्यक्ति की भूमिका कब सार्थक होती है और क्यों?
iii. संगतकार की क्या भूमिका होती है ?

HOTS

21. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (ब) संगतकार मुख्य गायक का सम्मान करता है क्योंकि वह उसका गुरु होता है।
2. (अ) यहाँ 'उसका' शब्द मुख्य गायक के लिए आया है क्योंकि तारसप्तक में पहुँचने पर उसकी आवाज़ बैठने लगती है।
3. (ब) अपने गुरु के सम्मानवश संगतकार मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाता आया है। ऐसा करके वह उसका साथ देता है।
4. (स) मूल स्वर को भूलकर अंतरे की जटिल तानों में खोजा जाना।
5. (ब) उसका स्वर आत्मविश्वास से भरा हुआ चट्टान की तरह भारी होता है।
6. (द) उसकी गायन-शक्ति बढ़ाने के लिए।
7. (स) उसके स्वर में स्वर मिलाकर।
8. (अ) प्रत्येक परिस्थिति में मुख्य गायक का पीछे से साथ देने के लिए।
9. (अ) संगतकार के।
10. (अ) संगतकार का अपनी आवाज को आगे नहीं बढ़ने देना उसकी मनुष्यता है क्योंकि उसमे मानवीय गुण है और यह मानवीय गुण है निःस्वार्थ भाव से त्याग।
11. **रिक्त स्थान :** तारसप्तक।
12. **रिक्त स्थान :** नीचा।
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. सन् 1948 में उत्तरांचल के टिहरी गढ़वाल जिले के काफलवानी गाँव में।
16. संगतकार मुख्य गायक का सहायक होता है। जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो चुका होता है या अपने सरगम को लाँघकर चला जाता है तब संगतकार उसे वापस स्थायी रूप में लाता है।
17. मुख्य गायक की आवाज़ चट्टान की भाँति गम्भीर व भारी होती है, इसके विपरीत संगतकार की आवाज़ मधुर, कंपनयुक्त व कमजोर होती है जो प्रत्येक कदम पर मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर उसके स्वर को प्रभावपूर्ण बनाती है।
18. नौसिखिया का अर्थ ही है नया सीखने वाला। नौसिखिया यहाँ पर मुख्य गायक को उसके गायन के शुरुआती दिनों की याद दिलाने के लिए प्रयोग किया गया है। जब मुख्य गायक नौसिखिया था तब वह भी यही कार्य करता था। क्योंकि वह स्वरों से भटक जाता है।
19. संगतकार की आवाज को कमजोर काँपती आवाज कहा गया है क्योंकि जब मुख्य गायक गीत गाता है तो उसके साथ चट्टान के समान कठोर भारी ध्वनि के साथ काँपती हुई आवाज सहायक गायक की होती है। और ऐसा लगता है जैसे वह मुख्य गायक का छोटा भाई हो जो हर कार्यक्षेत्र में बड़े भाई का साथ देता है वैसे ही सहायक गायक मुख्य गायक के स्वर का साथ देकर उसके गायन की कमियों को ढक देता है। वह एक शिष्य की तरह आज्ञाकारी होता है। जब मुख्य गायक को सहायक गायक की आवश्यकता पड़ती है तो संगतकार अपना कर्त्तव्य निभाता है। इसे देखकर ऐसा लगता है जैसे मुख्य गायक की ऊँची आवाज पर उसका साथ देने के लिए दूर से पैदल चलकर उसका कोई रिश्तेदार आया है। वह पुराने समय से मुख्य गायक की आवाज के साथ अपनी कोमल आवाज से उसका साथ देता आ रहा है।
20. i. मुख्य गायक का साथ देने वाला उसका छोटा भाई, शिष्य या फिर उनका संगतकार हो सकता है।

    ii. किसी भी क्षेत्र में मुख्य व्यक्ति की भूमिका तब सार्थक होती है जब वह अपने क्षेत्र में सफल हो जाता है क्योंकि उसकी सफलता में संगतकार की भरपूर सहायता मिलती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

iii. संगतकार अपनी आवाज़ की गूँज को मुख्य गायक के साथ मिलाकर उसकी आवाज़ को बल प्रदान करते हैं और स्थायी (मूलपंक्ति) को खोने नहीं देते। जब मुख्य गायक का गला बैठने लगता है और आवाज टूटने लगती है तब वे अपनी आवाज़ मिलाकर मुख्य गायक को सहयोग देते हैं।

21. संगतकार जैसे व्यक्ति निम्नलिखित क्षेत्रों में मिलते हैं; जैसे—

i. सिनेमा के क्षेत्र में - फिल्म में अनेक सह कलाकार, डुप्लीकेट, सह नर्तक व स्टंटमैन होते हैं।

ii. भवन निर्माण क्षेत्र में - मज़दूर जो भवन का निर्माण करते हैं।

iii. राजनैतिक क्षेत्र में संगतकारों की पंक्ति सबसे लंबी होती है, सामान्य जनता और कार्यकर्ताओं के द्वारा किए गए प्रयास का श्रेय उच्च नेताओं को मिलता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App